भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-1956

उत्तर देने की तारीख-06/08/2025

शिक्षा के लिए कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) उत्कृष्टता केंद्र

1956 **श्री कार्तिकेय शर्मा:**

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) शिक्षा के लिए एआई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने की हाल ही में घोषित पहल का ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है;
(ख) इस पहल के लिए किए गए बजटीय आवंटन और निष्पादन तंत्र का ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या नए केंद्रों की स्थापना की जाएगी या मौजूदा संस्थाओं को ही उत्कृष्टता केंद्र के रूप में निर्धारित किया जाएगा और उनके चयन के मानदंड क्या हैं;
(घ) एआई क्षेत्र में कार्यरत स्टार्टअप्स के लिए नियोजित सहायता और सहयोग का ब्यौरा क्या है; और
(ङ) क्या इन उत्कृष्टता केंद्रों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करने के लिए परिकल्पित किया गया है, और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ): सरकार ने समग्र, लचीली और बहु-विषयक शिक्षा प्रदान करने हेतु राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 तैयार की है। एनईपी 2020 में शिक्षा में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर प्रमुख रूप से ध्यान दिया गया है- जिसमें कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) भी शामिल है - जो भारत के शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन हेतु आधारस्तंभ के रूप में कार्य करेगी। एनईपी 2020 में व्यक्तिगत और समावेशी शैक्षिक अनुभव प्रदान करने के लिए शिक्षण और अधिगम में प्रौद्योगिकी के व्यापक उपयोग की सिफ़ारिश की गई है।

इस विज़न के अनुरूप, केंद्रीय बजट 2025-26 में, सरकार ने 500 करोड़ रुपये के कुल परिव्यय के साथ शिक्षा हेतु कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की घोषणा की है। इस उत्कृष्टता केंद्र की परिकल्पना देश भर में गुणवत्तापरक शिक्षा को सुगम बनाने के लिए एआई-सक्षम शैक्षिक समाधानों में नवाचार, अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने हेतु की गई है।

स्वास्थ्य सेवा, कृषि और सतत शहरों पर ध्यान केंद्रित करते हुए कृत्रिम बुद्धिमता में तीन उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) भी स्थापित किए गए हैं। इन उत्कृष्टता केंद्रों का नेतृत्व प्रमुख संस्थानों: आईआईटी कानपुर, जो सतत शहरों में अग्रणी है, आईआईटी रोपड़, जो कृषि क्षेत्र में अग्रणी है और आईआईएससी बैंगलोर, जो स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में अग्रणी है, द्वारा किया जाता है। इन तीनों उत्कृष्टता केंद्रों का कुल बजट परिव्यय 990 करोड़ रुपये है। इन उत्कृष्टता केंद्रों को शैक्षणिक संस्थाओं, स्टार्ट-अप्स, उद्योग और सरकारी संगठनों के नेटवर्क के साथ सहभागिता करने के लिए संरचित किया गया है ताकि एआई सक्षम समाधानों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा, कृषि और सतत शहरों में चुनौतियों का समाधान किया जा सके।

*****